

प्रीलमिस फैक्ट्स: 24 जुलाई, 2020

- [भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र](#)
- [परिचालन मार्ग](#)
- [बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती](#)
- [कृष्णापट्टनम पोर्ट कंपनी लिमिटेड](#)

भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र Largest Solar Power Plant of Indian Navy

हाल ही में भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला (Indian Naval Academy, Ezhimala) में तीन मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की शुरुआत की गई।

प्रमुख बंदि:

- यह भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र है।
- यह वर्ष 2022 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा लक्ष्य प्राप्त करने से संबंधित भारत सरकार के 'नेशनल सोलर मिशन' पहल के अनुरूप है।
- इस सौर ऊर्जा संयंत्र का अनुमानित जीवन-काल 25 वर्ष है। इस संयंत्र के लिये सभी उपकरणों की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर की गई है जिसमें नवीनतम तकनीक पर आधारित 9180 अत्यधिक कुशल मोनोक्रिस्टलाइन (Monocrystalline) सौर पैनल भी हैं।

मोनोक्रिस्टलाइन (Monocrystalline) सौर पैनल:

- मोनोक्रिस्टलाइन जिसे 'एकल क्रिस्टलीय सिलिकॉन सौर पैनल' भी कहा जाता है, अपने बाहरी काले रंग के कारण आसानी से पहचानने योग्य होते हैं।
- ये 'बेलनाकार सिलिकॉन सिलिंडरों' (Cylindrical Silicon Ingots) से बने होते हैं जिन्हें वेफर्स (Wafers) के रूप में काटा जाता है और ये उच्च दक्षता वाले होते हैं।
- इनमें सूर्य विकिरण को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की क्षमता होती है।

पॉलीक्रिस्टलाइन (Polycrystalline) सौर पैनल:

- पॉलीक्रिस्टलाइन को 'बहु-क्रिस्टलीय सौर पैनल' के रूप में भी जाना जाता है। मोनोक्रिस्टलाइन सौर पैनल के विपरीत इनके निर्माण के लिये पघिला हुआ सिलिकॉन एक वर्गाकार आकार में ढाला जाता है।
- फरि इस सिलिकॉन को टंडा करके पॉलीक्रिस्टलाइन आकार बनाते हुए चौकोर वेफर्स (Wafers) में काटा जाता है।
- इस सौर ऊर्जा परियोजना को 'केरल राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास नगिम लिमिटेड' (Kerala State Electronics Development Corporation Ltd- KELTRON) द्वारा नषिपादति कया गया है।

महत्त्व:

- यह सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में नौसेना स्टेशन, एझिमाला की मदद करेगी।
- यह भारतीय नौसेना अकादमी द्वारा स्वच्छ एवं हरित वातावरण की दशा में की गई विभिन्न पहलों में से एक है।
- इस संयंत्र से उत्पादित अतिरिक्त बजिली को केरल राज्य वदियुत बोर्ड (Kerala State Electricity Board) के इलेक्ट्रीसिटी ग्रिड में भेजा जाएगा।

बिहार पी.सी.एस. अध्ययन सामग्री

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा)

25 बुकलेट्स

[Click Here](#)

//

परचालन मार्ग

Operation Routes

भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय (Ministry of Shipping) ने भारतीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दक्षिण-पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों और मछली पकड़ने वाले जहाजों के परचालन मार्गों (Operation Routes) को अलग कर दिया है।

प्रमुख बंदि:

- पोत परिवहन मंत्रालय ने सुरक्षा एवं नेवीगेशन की दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह नरिणय लया गया है।
- इन नए मार्गों से संबंधित नयिम 1 अगस्त, 2020 से लागू होंगे।
- भारत सरकार का यह नरिणय जहाजों के टकराव की घटनाओं को भी कम करेगा और समुद्री पर्यावरण के संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ समुद्री यातायात के आसान परचालन को सुनश्चिति करेगा।
 - गौरतलब है कि भारत सरकार भारतीय समुद्री क्षेत्र में आसान नेवीगेशन सुनश्चिति करने पर ज़ोर दे रही है।
- उल्लेखनीय है कि देश के दक्षिण-पश्चिमी तट पर अरब सागर से होकर कई व्यापारिक जहाज गुजरते हैं और उसी क्षेत्र में मछली पकड़ने वाले जहाज भी परचालन करते हैं। यह क्षेत्र व्यस्त मार्गों में से एक है जो व्यापारिक जहाजों और मछली पकड़ने वाले जहाजों के टकराने से दुर्घटनाओं का कारण बनता है।



बाल गंगाधर तलिक और चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती

Birth Anniversaries of Bal Gangadhar Tilak and Chandra Shekhar Azad

भारत के उपराष्ट्रपति ने महान स्वतंत्रता सेनानयियों बाल गंगाधर तलिक और चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नागरिकों से कहा कि वे इस महान देश के लिये उनके सपनों को साकार करने की दशा में प्रयास करते रहें।



प्रमुख बदि:

- उपराष्ट्रपति ने युवा पीढ़ी को प्रेरति करने के लिये प्रतष्ठित राष्ट्रिय नेताओं एवं स्वतंत्रता सेनानयियों के बलदिन, देशभक्ति एवं वीरता की कहानयियों पर स्कूली पुस्तकों में अधिक ध्यान केंद्रति करने का आह्वान कयि।

बाल गंगाधर तलिक:

- बाल गंगाधर तलिक (केशव गंगाधर तलिक) का जन्म 23 जुलाई, 1856 को वर्तमान महाराष्ट्र (तब बॉम्बे प्रेसिडेंसी) के रत्नागिरी ज़िले में हुआ था।
- ये एक वदिवान, गणतिज्ञ, दार्शनकि, पत्रकार, समाज सुधारक एवं उग्र राष्ट्रवादी थे।
- औपनिवशकि शक्तियों द्वारा प्रायः बाल गंगाधर तलिक को **'भारतीय अशांति के जनक'** (Father of the Indian Unrest) के रूप में संदर्भति कयि जाता है कति वे 'स्वराज' की बात करने वाले पहले एवं सबसे मज़बूत अधविकताओं में से एक थे।
- सर वल्लेटाइन शरिल** ने तलिक को **'भारतीय अशांति का जनक'** कहा था।
- उनका प्रसदिध उदघोष 'स्वराज मेरा जन्म अधिकार है और हम इसको लेकर रहेंगे' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारयियों के लिये एक शक्तिशाली स्पष्टीकरण आह्वान के रूप में काम आया।
- तलिक ने राष्ट्रिय भावना को मज़बूत करने और इसे शक्ति अभिजात्य वर्ग के दायरे से सामान्य जनमानस के बीच ले जाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाई जैसे- भगवान गणेश की पूजा को सार्वजनकि गणेशोत्सव जैसे भव्य सार्वजनकि कार्यक्रमों में परिवर्तित करना, शबिजी महोत्सव आदि।
- तलिक ने **'केसरी'** और **'द मराठा'** नामक दो साप्ताहकि समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों में राजनीतिक चेतना को जागृत करने का प्रयास कयि।
- वर्ष 1908 में तलिक को **'केसरी'** में प्रकाशति लेखों के आधार पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर 6 वर्ष के कारावास की सजा देकर मांडले जेल (बर्मा) भेज दिया गया था। जसिके वरिधे स्वरूप बंबई में कपड़ा मलि मज़दूरों ने देश में पहली राजनीतिक हड़ताल की थी।
- मांडले जेल में ही उन्होंने **'गीता रहस्य'** नामक पुस्तक लिखी थी।
- तलिक वर्ष 1884 में स्थापति की गई **'डेक्कन एजुकेशन सोसायटी'** (Deccan Education Society) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और वे शिक्षा को लोकतांत्रिक एवं उदारवादी वधियों के प्रसार में एक गुणक बल के रूप में देखते थे।
- बाल गंगाधर तलिक की मृत्यु 1 अगस्त, 1920 को हुई थी।

चंद्रशेखर आज़ाद:

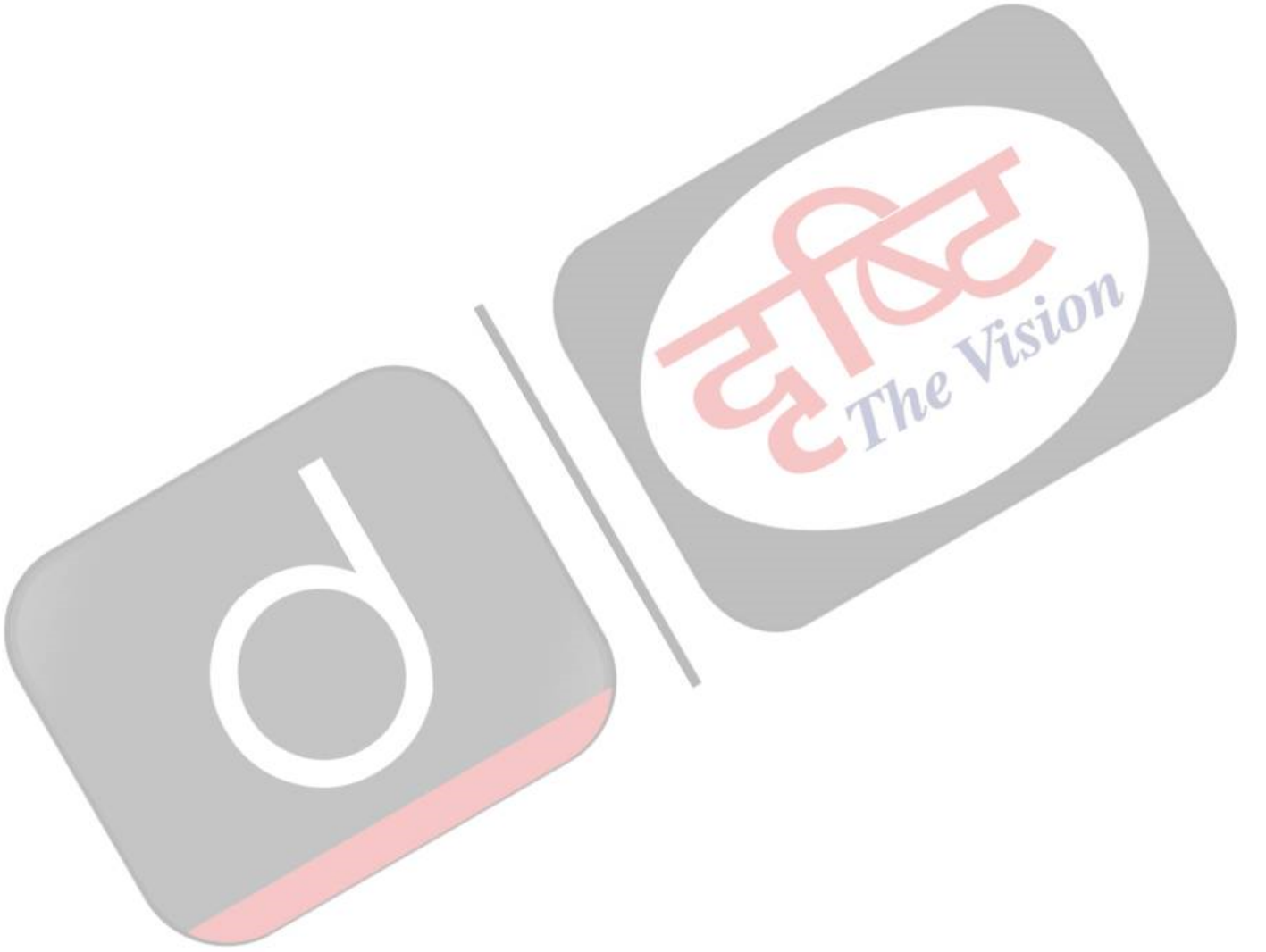
- चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्य प्रदेश के वर्तमान अलीराजपुर ज़िले के भाभरा गाँव में हुआ था।
- अपनी वीरता और नःस्वार्थता के लिये प्रसदिध एक महान देशभक्त चंद्रशेखर आज़ाद को बहुत कम उम्र में भारतीय राष्ट्रिय आंदोलन में शामिल होने का अवसर मलि था।
- भगत सहि सहति कई युवा स्वतंत्रता सेनानयियों के संरक्षक, दार्शनकि एवं मार्गदर्शक के रूप में चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे प्रेरणादायक युवा नेताओं में से एक थे।
- उनकी सर्वोच्च नेतृत्व कौशल एवं संगठनात्मक क्षमता ने उन्हें **'हदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन'** (HRA) को **'हदुस्तान सोशलसिट रिपब्लिकन एसोसिएशन'** (HRSA) के रूप में पुनर्गठित करने और उसे मज़बूत बनाने में मदद की।

'हदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HRA):

- देश में उचति ढंग से क्रांतिकारी आंदोलन का संचालन करने के उद्देश्य से अक्टूबर 1924 में युवा क्रांतिकारयियों ने **कानपुर** में एक सम्मेलन बुलाया और **'हदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन'** (HRA) नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
- इसके संस्थापक सदस्यों में शचींद्र सान्याल (अध्यक्ष) राम प्रसाद बस्मलि, जोगेश चंद्र चटर्जी और चंद्रशेखर आज़ाद थे।
- इस संस्था द्वारा 9 अगस्त, 1925 को उत्तर रेलवे के लखनऊ-सहारनपुर संभाग के काकोरी नामक स्थान पर 'आठ डायन लखनऊ-सहारनपुर पैसंजर ट्रेन' पर डकैती डाल कर सरकारी खजाना लूटा गया था। यह घटना काकोरी कांड के नाम से प्रसदिध हुई।

'हदुस्तान सोशलसिट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HRSA):

- वर्ष 1928 में चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में दल्लि के फरीजशाह कोटला मैदान में **'हदुस्तान सोशलसिट रिपब्लिकन एसोसिएशन'** (HRSA) की स्थापना की गई थी।
- इसका उद्देश्य भारत में एक समाजवादी गणतंत्रवादी राज्य की स्थापना करना था।
- 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद (प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क में चंद्रशेखर आज़ाद की मृत्यु हो गई।



कृषणापट्टनम पोर्ट कंपनी लमिटेड

Krishnapatnam Port Company Limited

हाल ही में [भारतीय प्रतस्पर्धा आयोग](#) (Competition Commission of India- CCI) ने 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' (Adani Ports and Special Economic Zone Limited) द्वारा 'कृष्णापट्टनम पोर्ट कंपनी लिमिटेड' (Krishnapatnam Port Company Limited) के अधगिरहण को मंजूरी दी है।



प्रमुख बडि:

- प्रस्तावित संयोजन में 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' (अडानी पोर्ट्स) द्वारा कृष्णापट्टनम पोर्ट कंपनी लिमिटेड में इक्विटी शेयर होल्डिंग के साथ प्रबंधन नियंत्रण के अधगिरहण की परकिल्पना की गई है।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' (अडानी पोर्ट्स):

- यह भारत का सबसे बड़ा नजी मल्टी-पोर्ट ऑपरेटर (Multi-port Operator) है।
- अडानी पोर्ट्स एकीकृत पोर्ट अवसंरचना सेवा प्रदाता है जो वर्तमान में छह तटीय राज्यों- गुजरात, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमलिनाडु और ओडिशा के दस घरेलू बंदरगाहों पर मौजूद है।
- यह अधगिरहणकरत्ता लॉजिस्टिक्स चेन (अर्थात् जहाजों के प्रबंधन से लेकर जहाजों के ठहरने का स्थान, जहाज संचालन, कर्षण, लंगर डालने की जगह, सामानों के रखरखाव, आंतरिक परिवहन, भंडारण एवं संचालन, प्रोसेसिंग तथा सड़क या रेल द्वारा अंतिम निकासी) का प्रबंधन करता है।

'कृष्णापट्टनम पोर्ट कंपनी लिमिटेड'

(Krishnapatnam Port Company Limited- KPCL):



- 'कृष्णापट्टनम पोर्ट' जसि **KPCL** के नाम से भी जाना जाता है, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर ज़िले में स्थित भारत के पूर्वी तट पर एक नजी तौर पर वकिसति किया गया **डीप वाटर पोर्ट** (Deep Water Port) है।
- यह चेन्नई पोर्ट के उत्तर में 190 किलोमीटर और नेल्लोर शहर से 18 किलोमीटर पूर्व में स्थित है।
- KPCL आंध्र प्रदेश के कृष्णापट्टनम में गहरे जल के बंदरगाह को वकिसति करने तथा संचालित करने का कार्य कर रही है।
- KPCL का आंध्र प्रदेश सरकार के साथ वाणज्यिक संचालन शुरू होने की तारीख से 30 वर्ष की अवधि के लिये 'बिल्ड-ऑपरेट-शेयर-ट्रांसफर' (Build-Operate-Share-Transfer) के आधार पर रियायती समझौता हुआ है।

उल्लेखनीय है कि कृष्णापट्टनम बंदरगाह ऐतिहासिक रूप से [वजियनगर साम्राज्य](#) से संबंधित है। इस बंदरगाह का महत्त्व [कृष्णदेवराय](#) के शासनकाल में अधिक

बढ़ गया था इसलिये इसका नाम 'कृष्णापट्टनम' रखा गया ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-24-july-2020>

